भारत ने शायद कप्तान के तौर पर पैट कमिंस और स्टोक्स की सफलता का अनुकरण करते हुए मौजूदा टेस्ट के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तान नियुक्त किया। यह एक साहसी नियुक्ति है और बुमराह के लिए बहुत कुछ है।

- इयान चैपल

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, जसप्रीत बुमराह के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — हरमनप्रीत कौर

महिला बिग बैश लीग के क्लब मेलबर्न रेनेगेड्स ने भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ आगामी सीजन के लिये दोबारा अनुबंध किया है। रेनेगेड्स ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, ''महिला बिग बैश लीग के पिछले सत्र की प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ एक और सत्र के लिये जुड़ेंगी। डब्ल्यूबीबीएल-7 में हरमनप्रीत ने रेनेगेड्स के लिये सर्वाधिक रन बनाने के साथ-साथ सबसे ज्यादा विकेट भी लिये थे।दाएं हाथ की बल्लेबाज हरमनप्रीत ने 58 के औसत से 406 रन बनाए और अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 15 विकेट भी लिये।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो डी जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

पूर्व विश्व चैम्पियन को हराकर अल्फिया ने जीता स्वर्ण

नूर सुल्तान, 4 जुलाई। मौजूदा युवा विश्व चैंपियन अल्फिया पठान और गीतिका ने कजाकिस्तान में आयोजित एलोर्डा कप में सोमवार को दमदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीते, जबकि भारत की अन्य दो महिला मुक्केबाज कलाइवानी श्रीनिवासन और जमुना बोरो ने रजत पदक के साथ प्रतियोगिता समाप्त की। नागपुर की अल्फिया ने 2016 विश्व चैंपियन और खिताब की प्रबल दावेदार लज्जत कुंगेइबायेवा को महिलाओं के 81 किग्रा फाइनल में 5-0 से हराया, जबकि गीतिका ने 48 किग्रा फाइनल में हमवतन कलाइवानी पर 4-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। यह अल्फिया और गीतिका के लिए पहली सीनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता भी थी।

अल्फिया मौजूदा एशियाई चैंपियन कुंगेइबायेवा के लिए बहुत मजबूत साबित हुईं। अनुभवी कजाख मुक्केबाज के पास अल्फिया के मुक्कों का कोई जवाब नहीं था, और युवा भारतीय ने अंततः जीत दर्ज की।स्वर्ण पदक जीतने के बाद उत्साहित अल्फिया ने कहा, ''विशेष रूप से विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता के खिलाफ स्वर्ण पदक जीतना एक अद्भुत एहसास है।''

दूसरी ओर, रोहतक की रहने वाली गीतिका ने अपनी हमवतन कलाइवानी के खिलाफ फाइनल जीतकर देश को पहला स्वर्ण दिलाया।दोनों मुक्केबाजों ने आक्रामक इरादे से शुरुआत की और एक-दूसरे पर हमलावर रह।

गीतिका ने बाउट के आगे बढ़ने के साथ-साथ मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत की और अंत में परिणाम को अपने पक्ष में करने में कामयाब रहीं। गीतिका ने अपनी जीत के बाद कहा, ''पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतना बहुत अच्छा अहसास था। यह एक शुरुआत है। मैं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सीनियर स्तर पर और पदक जीतना चाहती हूं।''

इस बीच, 2019 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता जमुना ने उज्बेकिस्तान की निगिना उकटमोवा के खिलाफ अपना सब कुछ झोंक दिया, लेकिन वह 54 किग्रा फाइनल में 0-5 से हार गई। अंतिम दिन दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीतने के साथ, भारतीय दल ने टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में 10 कांस्य सहित 14 पदक हासिल किये।

भारतीय महिलाओं ने दो स्वर्ण, दो रजत और छह कांस्य पदक जीते जबकि पुरुषों ने चार रजत हासिल किये।ज्योति गुलिया (52 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), सोनिया लाठेर (57 किग्रा), नीमा (63 किग्रा), ललिता (70 किग्रा) और बबीता बिष्ट (81 किग्रा) महिला वर्ग में कांस्य पदक विजेता रहीं। पुरुषों में कुलदीप कुमार (48 किग्रा), अनंत चोपडे (54 किग्रा), सचिन (57 किग्रा) और जुगनू (92 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।

रुट और बेयरस्टो के अर्द्धशतक, इंग्लैंड को मिली जीत की सुगंध

बर्मिंघम, 4 जुलाई। जो रुट (नाबाद 76) और जानी बेयरस्टो (नाबाद 72) के शानदार अर्धशतकों तथा उनके बीच चौथे विकेट के लिए 150 रन की अविजित साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने 378 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन सोमवार को तीन विकेट पर 259 रन बना लिए। इंग्लैंड को यह मैच जीतने और सीरीज में 2-2 की बराबरी हासिल करने के लिए 119 रन की जरूरत है जबकि सीरीज 3-1 से जीतने के लिए भारतीय गेंदबाजों को सात विकेट निकालने की जरूरत है। मैच में इस समय इंग्लैंड का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

भारत ने इससे पहले चेतेश्वर पुजारा (66) और ऋषभ पंत (53) के शानदार अर्धशतकों से दूसरी पारी में 245 टीम बनाये और मेजबान टीम के सामने जीत के लिए 378 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चायकाल तक एक विकेट खोकर 107 रन बना लिए थे। चायकाल के बाद इंग्लैंड ने पहली ही गेंद पर ओली पॉप का विकेट गंवाया। बुमराह की गेंद पर पॉप विकेटकीपर पंत के हाथों लपके गए। एलेक्स लीज दूसरा विकेट गिरने के दो रन बाद एक सिंगल लेने की गलतफहमी में मोहम्मद शमी के थ्रो पर रवींद्र जडेजा के हाथों रन आउट हो गए। तीसरा विकेट 109 रन के स्कोर पर गिरने के बाद रुट और बेयरस्टो ने चौथे विकेट के लिए 150 रन की मजबूत अविजित साझेदारी कर इंग्लैंड को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया।

स्टंप्स के समय रुट 112 गेंदों में नौ चौकों की मदद से नाबाद 76 और बेयरस्टो 87 गेंदों में आठ चौके और एक छक्के के सहारे नाबाद 72 रन बनाकर क्रीज पर हैं। इंग्लैंड के तीन विकेटों में से दो भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह के हिस्से में गए जबकि एक खिलाड़ी रन आउट हुआ। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 107 रन की ओपनिंग साझेदारी की। चायकाल से पहले कप्तान जसप्रीत बुमराह ने ओवर संभाला और ज़ैक क्रॉली को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिला दी। ज़ैक क्रॉली ने 76 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 46 रन बनाये।

इससे पहले भारत ने कल के तीन विकेट पर 125 रन से आगे खेलना शुरू किया। चेतेश्वर पुजारा ने 50 और ऋषभ पंत ने 30 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। दोनों स्कोर को 153 रन तक ले गए। पुजारा इस स्कोर पर स्टुअर्ट ब्रॉड की गेंद पर आउट हुए। पुजारा ने 168 गेंदों पर 66 रन में आठ चौके लगाए अय्यर 19 रन बनाने के बाद मैथ्यू पॉटस की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे।

पंत लेफ्ट आर्म स्पिनर जैक लीच की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में स्लिप में आसान कैच दे बैठे। पंत ने 86 गेंदों पर 57 रन में आठ चौके लगाए। पहली पारी के शतकधारी रवींद्र जडेजा 23 रन बनाकर नौवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। जसप्रीत बुमराह आखिरी बल्लेबाज के रूप में 245 के स्कोर पर आउट हुए। मोहम्मद शमी ने 13 रन बनाये।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी 416 रन

इंग्लैंड पहली पारी 284 रन

भारत की दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
शुभमन गिल का क्रॉली बो एंडरसन	4	3	1	0
चेतेश्वर पुजारा का लीज़ बो ब्रॉड	66	168	8	0
हनुमा विहारी का बेयरस्टो बो ब्रॉड	11	44	1	0
विराट कोहली का रूट बो स्टोक्स	20	40	4	0
ऋषभ पंत का रूट बो लीच	57	86	8	0
श्रेयस अय्यर का एंडरसन बो पॉट्स	19	26	3	0
रविंद्र जडेजा बो स्टोक्स	23	58	1	0
शार्दुल ठाकुर का क्रॉली बो पॉट्स	4	26	0	0
मोहम्मद शमी का लीज़ बो स्टोक्स	13	14	2	0
जसप्रीत बुमराह का क्रॉली बो स्टोक्स	7	20	0	1
मोहम्मद सिराज नाबाद	2	9	0	0
अतिरिक्त :	19			

कुल : 81.5 ओवर में 245

विकेट पतन : 1-4, 2-43, 3-75, 4-153, 5-190, 6-198, 7-207, 8-230, 9-236, 10-245

गेंदबाज़ी : जेम्स एंडरसन 19-5-46-1, स्टुअर्ट ब्रॉड 16-1-58-2, मैथ्यू पॉट्स, 17-3-50-2, बेन स्टोक्स 11.5-0-33-4, जैक लीच 12-1-28-1, जो रूट, 6-1-17-0

अंडर-15 महिला कुश्ती टीम ने जीता एशियाई खिताब

मनामा, 4 जुलाई। भारतीय अंडर-15 महिला टीम ने सोमवार को बहरीन में आयोजित अंडर-15 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में छह स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर एशियाई खिताब अपने नाम किया। भारत 210 अंक के साथ पहले, जापान 195 अंक के साथ दूसरे और किर्गिजिस्तान 149 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत की ओर से स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए तनीषा ने 33 किग्रा भार वर्ग में, दीपांशी ने 39 किग्रा भार वर्ग में, एकता ने 46 किग्रा भार वर्ग में और रंजिता ने 50 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नेहा ने 54 किग्रा और काजल ने 66 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण जीता। साथ ही मोनिका ने 42 किग्रा और रौनक ने 58 किग्रा भार वर्ग में भारत को रजत पदक दिलाये।

सुरक्षा खतरे के कारण बुलेटप्रूफ वाहन का उपयोग करते है पीसीबी प्रमुख रमीज

कराची, 4 जुलाई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने खेल मामलों की स्थायी संसदीय समिति (नेशनल असेंबली कमेटी) से कहा कि वह सुरक्षा खतरे की वजह से बुलेटप्रूफ वाहन का इस्तेमाल करते हैं। बोर्ड अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले लाभ और भत्तों के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में रमीज ने कहा कि वह पीसीबी के लिए 'बड़ा वित्तीय बोझ नहीं है' क्योंकि कुछ अन्य चीजों के अलावा अपने चिकित्सा खर्चों का भी वह खुद ही ध्यान रखते हैं। इस बैठक की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, ''रमीज ने समिति के सदस्यों से कहा था कि सुरक्षा खतरे के कारण उन्होंने बोर्ड की बुलेट प्रूफ वाहन का इस्तेमाल किया है। वह इसके अलावा पीसीबी से कोई भी लाभ लेने से बचते रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि समिति के किसी भी सदस्य ने सरकार बदलने के बाद रमीज से बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में उनके भविष्य के बारे में नहीं पूछा। किसी ने उसने इस्तीफ देने के बारे में भी नहीं पूछा। पाकिस्तान में आमतौर पर केन्द्र सरकार के बदलने के बाद बोर्ड का अध्यक्ष भी बदल जाता है।

भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से रौंदा

पल्लेकेल, 4 जुलाई। भारत ने स्मृति मंधाना (94 नाबाद) और शेफाली वर्मा (71 नाबाद) के शानदार अद्धर्शतकों की बदौलत श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में 10 विकेट से जीत दर्ज की। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 50 ओवर में 174 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे भारत ने 25.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने इससे पहले टी 20 सीरीज 2-1 से जीती थी। भारत ने टॉस जीतकर श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और 11 रन के स्कोर पर ही तीन विकेट झटक लिये।श्रीलंका नियमित अंतराल पर विकेट खोती रही और कभी भी ऐसा नहीं लगा कि पारी उनके नियंत्रण में है। अमा कंचना ने अपनी टीम के लिये सर्वाधिक 47(83) रन की नाबाद पारी खेली जिसमें उन्होंने दो चौके लगाये। इसके अलावा निलाक्षी डि सिल्वा ने 32(62) रन बनाये, जबकि कप्तान चमारी अटापट्टू ने 27(45) रन जोड़े और श्रीलंका अपने 50 ओवर में 173 रन पर ऑल-आउट हो गयी। भारत की दमदार गेंदबाजी के बाद दमदार बल्लेबाजी ने ताबूत में आखिरी कील का काम किया।हरमनप्रीत कौर की टीम ने एक भी विकेट गंवाये बिना 174 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। भारत के लिये स्मृति ने 83 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की बदौलत सर्वाधिक 94 रन बनाये।

आयरलैंड दौरे से पहले मिचेल सैंटनर कोरोना पॉजिटिव

ऑकलैंड, 4 जुलाई। शुक्रवार को कोरोना पॉज़िटिव पाए जाने के बाद न्यूज़ीलैंड के ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर ने रविवार को टीम के बाक़ी सदस्यों के साथ आयरलैंड की यात्रा नहीं की है। ठीक होने और निगेटिव रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए उन्हें कम से कम एक हफ़्ते का समय लगेगा। 10 जुलाई को पहले वनडे के साथ दौरा शुरू होगा और सैंटनर आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के विरुद्ध टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ से पहले कप्तान का पद संभालने के लिए टीम के साथ जुड़ना चाहेंगे। आयरलैंड दौरे के लिए टीम के प्रमुख कोच शेन जर्गेंसन ने कहा, ''कोविड एक चुनौती रहा है और आगे भी रहेगा।

भारत दौरे के लिए अभी से तैयारी कर रहा है ऑस्ट्रेलिया

मेलबोर्न, 4 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम भले ही श्रीलंका दौरे पर गई हो लेकिन उनका पूरा ध्यान अगले साल होने वाले भारत दौरे पर है। पहले टेस्ट में जीत के बाद अगले टेस्ट में ड्रॉ भी एशिया में उन्हें लगातार दूसरी सीरीज़ जिता सकता है। इससे पहले उन्होंने इसी साल पाकिस्तान को हराया था, जो कि ऑस्ट्रेलिया की एशिया में 11 साल बाद कोई पहली टेस्ट सीरीज़ जीत थी। 2004 के बाद से ऑस्ट्रेलिया भारत में कोई सीरीज़ नहीं जीत सका है।

जहां आशा के विपरीत पाकिस्तान ने तीनों टेस्ट मैच में बल्लेबाज़ों के अनुकूल पिच दी, जहां पर गेंद मुश्किल से टर्न कर रही थी। वहीं श्रीलंका ने गॉल में रैंक टर्नर पिच दी , जिसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों ने अब तक की सबसे मुश्किल पिच कहा। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने इसका पूरा फ़ायदा उठाते हुए मैच में कुल 18 विकेट झटके, जिसमें पार्ट टाइम स्पिनर भी शामिल थे।

अगले साल भारत में भी ऑस्ट्रेलिया कुछ ऐसी ही पिचों की उम्मीद कर रहा है। उनके असिस्टेंट कोच डैनियल वेटोरी ने कहा, ''अलग-अलग जगहों पर परिस्थितियां अलग-अलग होंगी। अगर आप मोहाली में खेलते हैं तो विकेट पाकिस्तान जैसी फ़्लैट मिल सकती है, वहीं अगर आप वानखेड़े में खेलते हैं तो वह गॉल जैसा स्पिन करेगी। साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ अब स्वीप शॉट के द्वारा ज़्यादा रन बनाने का प्रयास कर रहे हैं।। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की लगभग 45.7 प्रतिशत बाउंड्री या तो स्वीप या रिवर्स-स्वीप के द्वारा आए थे। साल 2016 में श्रीलंका में उनकी 3-0 की हार में यह प्रतिशत 20.8 था।

वेटोरी ने कहा, ''कई मायनों में भारत में वह स्वीप करते हुए बाउंड्री बटोरने में इतना सफल नहीं होंगे। जो खिलाड़ी लोग बहुत अच्छी तरह से स्वीप करते हैं उन्होंने जितना संभव हो उतना जोर देने की कोशिश की और बाउंड्री बटोरने का प्रयास किया। ऐलेक्स कैरी ने शायद सबसे स्वीप करने का प्रयास किया था। उन्होंने कुल 12 ऐसे स्वीप शॉट मारे थे जिसमें उन्हें रन मिला था।''

कहासुनी के बाद सितसिपास, किर्गियोस पर लगा जुर्माना

लंदन, 4 जुलाई। यूनान के स्टेफानोस सितसिपास और ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस पर शनिवार को हुए तीसरे दौर के मैच के दौरान किये गये ''उल्लंघनों'' के लिये जुर्माना लगाया गया। सितसिपास ने मैच के दौरान एक गेंद दर्शक दीर्घा में मारी थी, जिसके लिये उनपर 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। टेनिस के बैड बॉय किर्गियोस पर अपशब्द के प्रयोग के लिये 4,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। विम्बलडन के तीसरे दौर के मुकाबले में किर्गियोस ने सितसिपास को मात दे दी थी, जिसके बाद दोनों ने पोस्ट-मैच प्रेस वार्ता में भी एक दूसरे पर टिप्पणियां की थीं।

टी-20 में 2000 रन और 100 विकेट पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बने शाकिब

ढाका, 4 जुलाई। बांग्लादेश के स्टार ऑल-राउंडर शाकिब अल हसन अंतरराष्ट्रीय टी20 में 2000 रन और 100 विकेट पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। शाकिब ने यह कीर्तिमान रविवार को वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेले गये दूसरे टी20 मुकाबले में हासिल किया। शाकिब ने इस मैच में 52 गेंदें खेलकर 68 रन बनाकर अंतरराष्ट्रीय टी20 में 2000 रन पूरे किये, हालांकि बांग्लादेश वेस्ट इंडीज के 193 रन का पीछा करते हुए 20 ओवर में 158 रन ही बना सकी और 35 रन से हार गयी। उन्होंने गेंदबाजी करते हुए एक विकेट भी लिया। शाकिब 98 मैचों के अपने टी20 करियर में 23.31 की औसत और 12.86 की स्ट्राइक रेट से 2005 रन बना चुके हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टी20 में 10 अद्धर्शतक लगाये हैं। साथ ही शाकिब ने 6.7 की इकॉनमी के साथ बांग्लादेश के लिये 120 विकेट भी लिये हैं।

2021 की योजना के तहत गेंदबाजी करके हमें सफलता मिली : सिराज

बर्मिंघम, 4 जुलाई। पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी में चार विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीसरे दिन के खेल के बाद कहा कि 2021 की योजना के तहत गेंदबाज़ी करके हमें सफलता मिली।

सिराज के अनुसार भारत के पास 140 किमी प्रति घंटे की गति से गेंदबाज़ी करने वाले गेंदबाज़ों का एक अच्छा समूह है, इसी कारण भारत पिछले साल सीरीज़ में 2-1 से बढ़त बनाने में सफल रहा था। भारत ने इस मैच में भी उसी योजना के साथ गेंदबाज़ी की और उन्हें सफलता मिली। सिराज ने पहली पारी में चार विकेट झटके, जिसमें जो रूट का भी विकेट शामिल है।

मैच से पहले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने साफ़ कह दिया था कि उनकी टीम निडर होकर बल्लेबाज़ी करने वाली है। इसी शैली के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए स्टोक्स का विकेट भी गिरा। इसके बाद भारत 132 रनों की बढ़त लेने में सफल रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों में सिर्फ़ जॉनी बेयरस्टो ही सफल रहे और उन्होंने शतक भी लगाया, जिसके कारण उनकी टीम एक ठीक-ठाक स्कोर तक पहुंच सकी।

सिराज ने कहा, ''एक गेंदबाज़ के तौर पर हम पूरे धैर्य के साथ गेंदबाज़ी करने का प्रयास कर रहे थे। बेयरस्टो काफ़ी बढ़िया फ़ॉर्म में हैं और लगातार रन बना रहे हैं। हमें पता था कि उनका आत्मविश्वास काफ़ी ऊपर है। हमारी योजना काफ़ी सरल थी कि अतिरिक्त प्रयास नहीं करना है। हमने जो योजना बनाई है, उसी के अनुसार गेंदबाज़ी करते रहना है। उन्हें आउट करने के लिए हमें बस एक अच्छी गेंद डालनी थी।''

लंच के बाद जसप्रीत बुमराह ने काफ़ी बढ़िया गेंदबाज़ी करते हुए सटीक लेंथ पर गेंदबाज़ी की। साथ ही उन्होंने धीमी गति से भी गेंद डाली। कुल मिला कर उन्होंने बेयरस्टो को शांत रखा। इसके बाद बेयरस्टो शमी की एक फुलर लेंथ गेंद पर स्लिप में खड़े विराट कोहली को कैच दे बैठे।

सिराज ने कहा, ''जब हमने न्यूज़ीलैंड सीरीज़ देखी तो हमने महसूस किया कि हमारा हर गेंदबाज़ 140 से अधिक की गति से गेंदबाज़ी कर सकता है और उनके गेंदबाज़ों पास यह क्षमता नहीं है। पिछले साल यही हमारी मज़बूती थी और इसलिए हमें सफलता मिली थी। पहली पारी में पिच गेंदबाज़ों को मदद कर रही थी, इसलिए हमारी योजना थी कि हमे एक एक ही क्षेत्र में लगातार गेंदबाज़ी करते रहना है। हम कहीं से भी कमज़ोर गेंद नहीं करना चाहते थे। इससे विपक्षी टीम को रन बनाने का मौक़ा मिल सकता था।''

न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ इंग्लैंड के बल्लेबाज़ो ने आक्रामक दृष्टिकोण के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए आसानी से 270 से अधिक के तीन लक्ष्य का पीछा किया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्टोक्स की टीम फिर से यही प्रयास करेगी।

सहज ने जीता एकल, अंकिता-प्रिस्का ने युगल खिताब

गुरुग्राम, 4 जुलाई। सहज यमलापल्ली ने द टेनिस प्रोजेक्ट के आईटीएफ डॉलर 25,000 टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम दिन तक अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए एकल फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त विक्टोरिया मोरवायोवा को 6-3 7-6 (5) से मात देकर खिताब जीत लिया।

सहज ने टूर्नामेंट की शुरुआत गत वर्ष की चैंपियन करमन कौर थांडी को पहले राउंड में हराकर की थी। इसके बाद उन्होंने दूसरे दौर में टॉप सीड सौजन्य बाविसेट्टी सहित लगातार प्रतिद्वंद्वियों को शिकस्त देते हुए फाइनल में जगह बनायी।

सहज ने रविवार को हुए फाइनल में तीसरी वरियता प्राप्त मोरवायोवा को हराकर इस साल का अपना दूसरा एकल खिताब हासिल किया। इससे पहले वह मार्च में हुए आईटीएफ डॉलर 15,000 टूर्नामेंट में भी अपना परचम लहरा चुकी हैं। इसी बीच, प्रिस्का नुगरोहो के साथ साझेदारी में देश की नंबर एक अंकिता रैना ने डबल्स फाइनल में जापानी जोड़ी मिसाकी मात्सुदा/मोमोको कोबोरी को 3-6, 6-0 (10-6) से हराकर खिताब अपने नाम किया।

पॉवेल के तूफान में बही बांग्लादेश

डोमिनिका, 4 जुलाई। रोवमैन पॉवेल (28 गेंदों पर 61 रन) के ताबड़तोड़ अद्धर्शतक की बदौलत वेस्ट इंडीज को बांग्लादेश दूसरे टी20 में 35 रन की शिकस्त दी। वेस्ट इंडीज ने रविवार को हुए मैच में बांग्लादेश के सामने 194 रन का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में बांग्लादेश छह विकेट गंवाकर 158 रन ही बना सकी।

वेस्ट इंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। कैरिबियाई टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग (57) ने अर्धशतक जड़ा। ब्रेंडन ने 43 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान निकोलस पूरन ने 30 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाकर 34 रन बनाये।

13वें ओवर में बल्लेबाजी करने आये पॉवेल ने विस्फोटक रूप अपनाते हुए पारी को अंजाम तक पहुंचाया। पॉवेल ने 28 गेंदों में दो चौके और छह छक्के लगाकर 61 रन की नाबाद पारी खेली जिसकी बदौलत वेस्ट इंडीज ने अपने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 193 रन बनाये। बांग्लादेश की ओर से शोरिफुल इस्लाम ने दो विकेट लिये जबकि महदी हसन, शाकिब अल हसन और मोसादेक हुसैन ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। 194 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश कभी भी लय में नहीं दिखी। ओबेड मकॉय ने आठ रन के अंदर ही दोनों सलामी बल्लेबाजों को चलता किया। कुछ देर बाद ही ओडियन स्मिथ ने कप्तान महमदुल्लाह को 11 रन पर आउट किया।

बांग्लादेश 23 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में लग रही थी लेकिन शाकिब ने पारी को संभाला। उन्होंने 52 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 68 रन बनाए, लेकिन उनकी धीमी पारी 194 रन के विशाल लक्ष्य को हासिल करने में काम न आई। इसके अलावा बांग्लादेश के लिये अफीफ हुसैन ने 34(27) और मोसादेक ने 15(11) रन बनाये।

विंडीज के लिये रोमारियो शेफर्ड और ओबेड मकॉय ने दो-दो विकेट लिये जबकि अकील हुसैन और ओडियन स्मिथ को एक-एक विकेट हासिल हुआ। पॉवेल को उनकी जानदारी पारी के लिये मैन ऑफ द मैच चुना गया। पहला मैच बारिश में धुलने के बाद वेस्ट इंडीज ने दूसरा मैच जीतकर तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

सिंधू और प्रणय मलेशिया मास्टर्स में लय जारी रखना चाहेंगे

कुआलालंपुर, 4 जुलाई। स्टार शटलर पीवी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। सिंधू और प्रणय को पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 750 के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा थाऔर ये दोनों खिलाड़ी इस सप्ताह शुरू हो रहे टूर्नामेंट में अपने खेल की खामियों को दूर कर सुधार करना चाहेंगे।

सिंधू ने इस साल सैयद मोदी इंटरनेशनल और स्विस ओपन के रूप में दो सुपर 300 खिताब जीते हैं, वहीं प्रणय खिताब जीतने के पांच साल के लंबे इंतजार को खत्म करने के लिए बेताब हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधूविश्व टूर स्पर्धाओं के क्वार्टर और सेमीफाइनल में लगातार पहुंच रही हैं, लेकिन शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ वह थोड़ी कमजोर दिख रही हैं।

इस साल कई टूर्नामेंटों के आखिरी के कुछ मैचों में उन्हें थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन, चीन की चेन यू फेई और ही बिंग जियाओ, कोरिया की आन से यंग और चीनी ताइपे की ताई जू यिंग जैसी खिलाड़ियों के खिलाफ हार का सामना सामना करना पड़ा है । इसने उनकी कमजोरियों को उजागर कर दिया है और वह आगामी राष्ट्रमंडल खेलों से पहले इसे दूर करने की कोशिश करेंगी।

पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू के सामने शुरुआती दौर में बिंग जियाओ की चुनौती होगी। इस खिलाड़ी ने पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 में सिंधू को बाहर का रास्ता दिखाया था। बिंग जियाओ के खिलाफ सिंधू के जीत-हार का रिकॉर्ड भले ही 8-10 का है लेकिन इस भारतीय खिलाड़ी ने तोक्यो ओलंपिक समेत पिछले चार में से तीन मुकाबले जीते हैं। इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे प्रणय पिछले साल विश्व चैंपियनशिप के बाद से लगातार क्वार्टर फाइनल में पहुंच रहे हैं। भारतीय टीम की थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत के सूत्रधार रहे प्रणय के पास चैम्पियन बनने की काबिलियत है लेकिन वह आखिरी के कुछ मैचों की बाधा नहीं पार कर पा रहे हैं।

केरल का यह 29 साल का खिलाड़ी इंडोनेशिया सुपर 1000 में सेमीफाइनल में पहुंचा था। वह मलेशिया मेंइंडोनेशिया के शेसर हिरेन रुस्तवितो के खिलाफ अपना अभियान शुरु करेंगे। इसके बाद के दौर में उनके सामने जोनाथन क्रिस्टी की चुनौती होगी जिन्होंने इस खिलाड़ी को पिछले सप्ताह हराया था। अन्य भारतीयों में, बी साई प्रणीत पहले दौर में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन से भिड़ेंगे जबकि चोट से वापसी कर रहे समीर वर्मा के सामने चौथी वरीयता प्राप्त ताइवान केचोउ टिएन चीन की मुश्किल चुनौती होगी। दो बार की राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता साइना नेहवाल कोरिया की किम गा यून के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी।

लगातार 25वां ग्रास कोर्ट मुकाबला जीतकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे नोवाक जोकोविच

लंदन, 4 जुलाई। विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी, सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपना सातवां विम्बलडन खिताब जीतने के प्रयास में नीदरलैंड के टिम वैन रिजथोवेन को हराकर प्रतियोगिता के क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। जोकोविच ने रविवार को हुए चौथे दौर के मुकाबले में रिजथोवेन को 6-2, 4-6, 6-1, 6-2 से हराया। यह जोकोविच की ग्रास कोर्ट पर लगातार 25वीं जीत थी। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''मुझे मैच से पहले पता था कि मिच के खिलाफ मुकाबला मुश्किल होने वाला है। मैंने उन्हें खेलते हुए देखा। ग्रास कोर्ट के लिये उनका खेलने का तरीका बहुत अच्छा है जो आज उन्होंने दिखा भी दिया। यह मुकाबला अच्छा रहा, खासकर पहले दो सेट में। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेला। मैं उनकी सर्विस लय में आ गया, तीसरे और चौथे सेट में उनकी सर्विस को बेहतर तरीके से पढ़ना शुरू किया।''

महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए नार्थ ईस्ट फुटबाल लीग का आयोजन

नयी दिल्ली, 4 जुलाई। महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ 7 से 23 जुलाई तक नार्थ ईस्ट महिला फुटबाल लीग का आयोजन किया जा रहा है। अनंतपुरा स्पोर्ट्स इवेंट प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन अमीन पठान ने सोमवार को बताया कि महिला फुटबाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस लीग का आयोजन किया जा रहा है तथा युवा खिलाड़ियों को खेलो के प्रति आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता जीतू वर्मा (जोजो), भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान दीपक हुड्डा, फुटबाल कोच राकेश कुमार तथा अंतरराष्ट्रीय कबड्डी एथलीट राजेश नरवाल मौजूद रहे। इसके साथ ही ऑल मणिपुर फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष रतन कुमार सिंह, सचिव एल ज्योतिर्मय रॉय, अनंतपुरा स्पोर्ट्स इवेंट प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अनस पठान, टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर निर्मल व्यास सहित अन्य मेहमान मौजूद रहे।

अतिथियों ने बताया कि इस लीग का आयोजन 7 से 23 जुलाई तक किया जाएगा। नार्थ ईस्ट में फुटबॉल की लोकप्रियता को देखते हुए एवं महिला खिलाड़ियों को फुटबॉल खेलने के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से इस लीग का आयोजन किया जा रहा है जोकि खिलाड़ियों के लिए एक सकारात्मक पहल है और ऐसे आयोजन समय-समय पर किए जाने चाहिएं।

अमीन पठान ने कहा, ऑल मणिपुर फुटबॉल एसोसिएशन के सानिध्य में इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। देश मे खेलो को बढ़ावा देने की जरूरत है। इसके लिए सभी खेलो की अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर किया जा रहा है। युवा खिलाड़ियों, खासकर महिला खिलाड़ियों, के लिए ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना अत्यंत आवश्यक है।'' पठान ने कहा कि निरन्तर मेहनत और लगन से प्रशिक्षण करते रहने और कभी हिम्मत न हारने के जज्बे से खेलो के क्षेत्र में किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। इसलिए सभी खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए।